झारखण्ड सरकार

झारखण्ड ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन समिति
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग
झारखण्ड, राँची।

प्रेस विज्ञप्ति

स्लम मे रहने वाले गरिबों तक स्वास्थ्य सुविधाऐं पहुँचाए – के0 विधासागर

रांची, दिनांक : 21/8/2015 को IPH नामकुम के सभागार में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, के सभी स्वास्थ्य कार्यक्रमों की समीक्षा बैठक **के0 विधासागर ,प्रधान सचिव, स्वास्थ्य विभाग** की अध्यक्षता में की गई। बैठक में राज्य में चल रहे स्वास्थ्य कार्यक्रमों की स्थिति का जायजा लिया गया, स्वास्थ्य कार्यक्रमों के कमियों को दूर करने और बेहतर ढंग से क्रियांन्वित करने का निर्देश दिया गया प्रधान सचिव ने सबसे पहले राष्ट्रीय शहरी स्वास्थ्य मिशन (NUHM) की समिक्षा करते हुए कहा कि हमारा राज्य NUHM के क्रियान्वयन में सबसे पीछे है। हमें त्वरित गति से कार्य करने की आवश्यकता है ताकि शहर के गरिबों को भी मुफ्त में स्वास्थ्य सुविधाऐं मिल सकें, हम स्लम में रह रहे गरिब लोगो को भी स्वास्थ्य सुविधा प्रदान कर सकें।

गौरतलब है कि राज्य के 14 जिलों में NUHM शुरू किया गया है। इसके तहत 51 में से 32 शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों तथा 6 मे से 4 शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों का निर्माण किया जा चुका है। इन केन्द्रों को भी Delivery Point (प्रसव केन्द्र) के रूप में विकसित किया जा रहा है। NUHM के तहत महिला आरोग्य समिति के गठन, शहरी आशा का चयन, प्रशिक्षण, आदि का कार्य किया जा रहा है।

अभियान निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखण्ड ने कहा कि जिलें में खराब प्रदर्शन के लिए सिविल सर्जन के साथ साथ DPMU (District Programme management unit) के कर्मियों को भी जिम्मेवार माना जाऐगा तथा सख्त कार्यवाई की जाएगी। उन्होने स्वास्थ्य कार्यक्रमों के क्रियान्वयन मे देरी के लिए जिम्मेवार पदाधिकारीयों तथा कर्मियों को स्पष्टीकरण देने का भी निर्देश दिया।

रामकुमार सिन्हा, उपसचिव स्वास्थ्य विभाग ने सभी सिविल सर्जन को निर्देश दिया कि Utilization Certificate को यथाशीघ्र मुख्यालय को उपलबध कराना सुनिश्चित करें साथ ही असाध्य रोग के मरिजों को चिन्हित कर बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने तथा इससे बचाव हेतु प्रचार प्रसार करने का भी निर्देश दिया।

डॉ0 सुमंत मिश्रा, निदेशक प्रमुख, स्वास्थ्य सेवाऐं ने कहा कि अस्पतालों में OPD की स्थिति सुधर रही है, लेकिन इसें और बेहतर करने की आवश्यकता है ताकि लोगो को अच्छी स्वास्थ्य सेवा मिल सकें। उन्होने दवाओं के खरीद में 5/6 फॉर्मुला अपनाने का परामर्श दिया।

इस अवसर पर कुपोषण उपचार केन्द्रों को और बेहतर ढंग से क्रियांन्वित करने तथा बच्चो को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (RBSK) को प्रभावी बनाने, मुख्यमंत्री गंभीर बीमारी उपचार योजना, Bio Medical Waste Disposal, NCD (Non Communicable Disease) National Tobacco Control Programme, Mental Health Programme, Mobile Health Team, Essential Medicine List आदि की समिक्षा गई।

इस बैठक में राज्य के निदेशक, अपर निदेशक, उपनिदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कर्मी, सभी जिलों के सिविल सर्जन, DRCHO, DPM, Hospital-Manger, आदि उपस्थित थे।

नोडल ऑफिसर
आई0 ई0 सी0 कोषांग